

न्यूज ब्रीफ

12,000 भिक्षुओं ने की भूकंप पीड़ितों के लिए प्रार्थना



अनंत ज्ञान धर्मशाला। कर्नटक के बालाकुपे की तिब्बती बस्ती में पुनर्स्थापित ताशी लहुंगो मठ के मंदिर में वीरवार को लगभग 12,000 के करीब बौद्ध भिक्षुओं, मिथुणियों और आम लोगों ने तिब्बत में आए विनाशकारी भूकंप के पीड़ितों के प्रार्थना के लिए एकत्रित हुए। भूकंप से तिब्बत के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र छिट्ठासे और डिंगोरी थे। दलाईलाम से लेकर मठ में दीक्षित भूमि के लिए प्रार्थना ताशी लहुंगो मठ में रह रहे हैं। इन्हें लहुंगो को लिए प्रार्थना के लिए एक बड़ी समाज में उनका शामिल होना विशेष रूप से खुमान गया है। सभा में जब दलाईलाम पहुंचे तो उन्होंने बुझ और प्रश्न दलाईलाम की विशाल स्थीरियों के साथने अपना आसन घण्टा किया। दलाईलाम के साथ शाराया चोरे इनपोछे, मठाशी और पूर्व मठाशी, डिंगोरी तिब्बती प्रासान और विविध तिब्बती संसद के सेवानिवृत्त सदस्य थीं। पूरी सभा ने भूकंप से प्रभावित सभी लहुंगो के लिए अवास्थानिक खाल के मंड़ों और मणि पैदे हुंगा का पाठ किया। सभा का समापन तीन रुचों का आहान करते सत्य वर्कों की प्रार्थना के साथ हुआ।

पंजाला में बताई केसीसी बैंक की योजनाएं

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। कांगड़ा के द्वारी सहकारी बैंक समिति शाखा संसान ने वीरवार को नाबाई के द्वारी से ग्राम पंचायत पंजाल में वित्ती साक्षरता वित्ती का आयोजन किया। इसमें नाबाई के डीएम हिमांशु, ग्राम पंचायत पंजाल की प्रधान अंजु, देवी, वार्ड पंच अल्प, नेहल समिति के सेक्रेटरी गणेश और डिंगोरी के लहुंगो को साक्षरता दिलाई गयी। अमर पंचायत नाबाई के लिए एक बड़ा समापन हुआ। सभा में जब दलाईलाम पहुंचे तो उन्होंने बुझ और प्रश्न दलाईलाम की विशाल स्थीरियों के साथने अपना आसन घण्टा किया। दलाईलाम के साथ शाराया चोरे इनपोछे, मठाशी और पूर्व मठाशी, डिंगोरी तिब्बती प्रासान और विविध तिब्बती संसद के सेवानिवृत्त सदस्य थीं। पूरी सभा ने भूकंप से प्रभावित सभी लहुंगो के लिए अवास्थानिक खाल के मंड़ों और पूर्व मठाशी का पाठ किया। सभा का समापन तीन रुचों का आहान करते सत्य वर्कों की प्रार्थना के साथ हुआ।

